Publication : Business Standard, Hindi

Edition : Kolkata

Date : 24 June-08 Page : 14

पेपर बॉक्स इकाइयां हड़ताल पर

हाल के कुछ समय से कीमतों में बेतहाशा तेजी की मार पंजाब की पेपर बॉक्स निर्माण इकाइयों पर पड़ने लगी है। कागज की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ 200 कागज बॉक्स निर्माण इकाइयां 23 जून और 24 जून पर हड़ताल पर रहीं। हड़ताल का आयोजन बॉक्स मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ऑफ पंजाब की अगुवाई में किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष अरोड़ा ने आरोप लगाया कि कागज मिल मालिक सरकार की नाक के नीचे 'पेपर माफिया' के तौर पर काम कर रहे हैं और कागज की कीमतों में इजाफा के लिए जिम्मेदार हैं। संगठन ने दावा किया है कि कागज और कच्चे माल की कीमतों में फरवरी, 2008 से 25 से 40 फीसदी की इजाफा हुआ है। इस कच्चे माल में बॉक्स निर्माण के लिए इस्तेमाल में आने वाले चिपकाने वाले पदार्थ और सिलाई तार प्रमुख रूप से शामिल हैं। अरोड़ा ने खुलासा किया है कि कागज और अन्य कच्चे माल की कीमतों में असाधारण वृद्धि से कॉरुगेटेड बॉक्स के व्यवसाय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने बॉक्स निर्माताओं के बीच अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी ने जालंधर और लुधियाना में बॉक्स निर्माण इकाइयों के मालिकों को अपना कामकाज बंद करने या फिर विभिन्न प्रकार के बॉक्स की कीमतों में 25 फीसदी तक का इजाफा करने को मजबूर कर दिया है। संगठन के आयोजन सचिव एस अरोड़ा ने कहा कि संगठन का एक प्रतिनिधि मंडल जल्द ही इस मुद्दे पर कागज मिल मालिकों से बातचीत करेगा ताकि बॉक्स निर्माण उद्योग को बंद होने से बचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि कागज की कीमतों में असाधारण वृद्धि स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को कीमतें सालाना आधार पर बढ़ानी चाहिए न कि मासिक या पाक्षिक आधार पर। संगठन ने इस मामले में सरकार से सीधे हस्तक्षेप करने की मांग की है ताकि कागज मिल मालिकों को इसके भंडार से रोका जा सके। संगठन ने कागज पर लगने वाले विभिन्न शुल्कों और करों को घटाए जाने की भी मांग की है।